कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#3. माँ (कहानी) - (ईश्वर पेटलीकर)

प्रिय विद्यार्थी, इसमें वर्ग 10वीं, NCERT हिन्दी पाठ्यपुस्तक वर्णिका भाग 2 के सभी प्रश्न के के उत्तर के साथ-साथ, बिहार बोर्ड की परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों के भी जवाब दिए गए हैं; कौन-सा प्रश्न कब पूछा गया है, यह जानकारी प्रश्न के ठीक बगल में परीक्षा वर्ष के रूप में लिखी हुई है ।

माँ कहानी: प्रश्न और उत्तर (NCERT)

1. मंगु के प्रति माँ और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में जो फर्क है उसे अपने शब्दों में लिखें ।

उत्तर:

- **माँ का व्यवहार:** माँ, मंगु की जन्म से पागल और गूंगी बेटी होने के बावजूद **निःस्वार्थ भाव से उसकी सेवा, देखभाल और लाड़-प्यार** करती है। उसका **सारा मातृत्व** मंगु पर ही न्योछावर है।
- **परिवार का व्यवहार:** परिवार (पुत्री और बहुएँ) मंगु को **बोझ** मानते हैं। पुत्री का मानना था कि माँ के **झूठे लाड़-प्यार** ने उसे अधिक पागल बना दिया है। बहुएँ तो उसकी **मौत को परिवार के लिए छुटकारा** मानती थीं।

2. माँ मंगु को अस्पताल में क्यों नहीं भर्ती कराना चाहती ? विचार करें ।

उत्तर: माँ को लगता था कि जब **वह स्वयं माँ होकर सेवा नहीं कर सकती**, तो अस्पताल वाले क्या सेवा करेंगे। वह अस्पताल को **अपंग जानवरों की गौशाला** जैसा मानती थी। उनका यह भी दृढ़ विश्वास था कि मंगु को अस्पताल भेजना **जान-बूझकर उसे मौत के मुँह में धकेलना** होगा, जो उनके लिए असहनीय था।

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)
#3. माँ (कहानी) - (ईश्वर पेटलीकर)

3. कुसुम के पागलपन में सुधार देख मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया को अपने शब्दों में लिखें।

उत्तर:

- **समाज/परिवार:** कुसुम के ठीक होने पर **गाँव के लोग और पुत्र** ने तुरंत माँ जी को मंगु को अस्पताल में **भर्ती कराने की सलाह** दी। पुत्र ने बिना देर किए **भर्ती का आदेश** भी ले लिया।
- **माँ:** कुसुम से बात करके माँ का **अस्पताल के प्रति विरोध समाप्त** हो गया। उन्हें वहाँ के कर्मचारियों पर **श्रद्धा** हो गई और उनमें **नई आशा** जागी कि शायद मंगु भी ठीक हो जाए। इसी कारण उन्होंने भारी मन से उसे भर्ती कराने का निर्णय लिया।

4. कहानी के शीर्षक की सार्थकता पर विचार करें।

उत्तर: कहानी का शीर्षक **'माँ'** पूरी तरह सार्थक है, क्योंकि पूरी कहानी **मंगु की माँ** के चारों ओर घूमती है। शीर्षक, माँ के **असीम, निःस्वार्थ मातृत्व** और उसके **मानसिक संघर्ष** को दर्शाता है। कहानी का अंत (जब माँ भी पागल हो जाती है) भी यह बताता है कि **माँ-बेटी का संबंध** कितना गहरा था, जो शीर्षक की सार्थकता को स्थापित करता है।

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)

#3. माँ (कहानी) - (ईश्वर पेटलीकर)

5. मंगु जिस अस्पताल में भर्ती की जाती है, उस अस्पताल के कर्मचारी व्यवहारकुशल हैं या संवेदनशील ? विचार करें।

उत्तर: अस्पताल के कर्मचारी **व्यवहारकुशल और संवेदनशील** दोनों थे।

- **संवेदनशीलता:** वे पागल मरीजों पर **खीझते नहीं** थे। मंगु की माँ के रोने पर डॉक्टर ने उन्हें आश्वासन दिया कि वे बेटी को **बेटे के घर** छोड़ रही हैं और मेट्रन ने कहा कि **आज से वह मंगु की नई माँ** है।
- **व्यवहारकुशलता:** नर्सों ने माँ को आश्वासन दिया कि वे मंगु को **मुँह में कौर डाल-डालकर खिलाएँगी** और **रात में कई बार उसकी जाँच** करेंगी। उन्होंने एक पागल स्त्री को **प्यार से मुँह धुलाया** भी था।

6. कहानी का सारांश प्रस्तुत करें।

उत्तर: यह कहानी **जन्म से पागल और गूंगी** लड़की **मंगु** के लिए उसकी **माँ** के असीम त्याग और सेवा की है। माँ अपनी वृद्धावस्था की परवाह किए बिना मंगु को पालती है और उसे अस्पताल में भर्ती करने से मना करती है। गाँव की एक लड़की **कुसुम** अस्पताल से ठीक हो जाती है, जिससे माँ को अस्पताल पर विश्वास हो जाता है। वह भारी मन से मंगु को भर्ती करा देती है। अस्पताल में मंगु को छोड़कर आने के बाद, माँ **रात भर सो नहीं पाती** और मंगु की चिंता करती रहती है। अंत में, मंगु के बिछोह और अत्यधिक दुःख के कारण माँ का **मानसि**

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)
#3. माँ (कहानी) - (ईश्वर पेटलीकर)

लघु उत्तरीय प्रश्न (Maa Kahani - Short Answer Questions)

1. माँ मंगु की श्रेणी में क्यों मिल गई? कहानी-कला की दृष्टि से कहानी का अंत कैसा है? लिखें। [2023AI]

उत्तर: माँ अपनी पुत्री **मंगु** से बहुत स्नेह करती थी क्योंकि मंगु **जन्म से ही पागल और गूंगी** थी। जब उसे पागलखाने में भर्ती कराया गया, तब उसकी देखभाल के लिए माँ की चिंता इतनी बढ़ गई कि वह स्वयं भी मंगु की श्रेणी में मिल गई। माँ को डर था कि अस्पताल में डॉक्टर, नर्स आदि सभी केवल अपना **कोरम पूरा करेंगे**. मंगु खिलाने पर ही खाती थी और बिस्तर पर पखाना-पेशाब कर देती थी, इसलिए माँ को आशंका थी कि बिस्तर भींगने पर कौन उसके कपड़े और बिस्तर बदलेगा।

कहानी-कला की दृष्टि से कहानी का अंत **दुखद** है, क्योंकि अंत में माँ भी मंगु की तरह व्यवहार करने लगती हैं, किन्तु यह **प्रेरणादायी** भी है. यह अंत माँ के अपार **मातृत्व स्नेह** और अपनी असहाय बच्ची के प्रति **समर्पण** को दर्शाता है।

2. माँ कहानी के लेखक का क्या नाम हैं, वह कहाँ के रहने वाले थे। [2021AII]

उत्तर: 'माँ' कहानी के लेखक का नाम **'ईश्वर पेटलीकर'** है। वे **गुजरात** के रहने वाले हैं।

3. माँ मंगु को अस्पताल में क्यों नहीं भर्ती कराना चाहती है? विचार करें।

उत्तर: माँ मंगु को अस्पताल में इसलिए भर्ती कराना नहीं चाहती थी क्योंकि वह **अस्पताल की व्यवस्था से मन-ही-मन काँप रही थी**। वह लोगों को अस्पताल के लिए **गोशालाओं की उपमा** देती थी। माँ जी में आत्मविश्वास नहीं था कि अस्पताल में डॉक्टर और नर्स मंगु की ठीक से देखभाल करेंगे; उन्हें लगता था कि वे सब केवल अपना **कोरम पूरा करेंगे**. मंगु बिस्तर पर पखाना-पेशाब कर देती थी और खिलाने पर ही खाती थी। माँ जी के मन में इसी तरह के विभिन्न प्रश्न उठा करते थे कि बिस्तर भींगने पर कौन उसके कपड़े और बिस्तर बदलेगा। इन्हीं कारणों से वह मंगु को अस्पताल में भर्ती कराना नहीं चाहती थी।

कक्षा 10वीं – हिन्दी,वर्णिका भाग-2 (बिहार बोर्ड)
#3. माँ (कहानी) - (ईश्वर पेटलीकर)

4. कुसुम के पागलपन में सुधार देख मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया को अपने शब्दों में लिखें। [2011A, 2013A, 2020AI]

उत्तर: जब **कुसुम** के पागलपन में सुधार देखकर वह अस्पताल से इलाज होने के बाद ठीक हो गई, तो मंगु के प्रति माँ, परिवार और समाज की प्रतिक्रिया यह हुई कि उन्हें **आशा** जगी. उन्हें लगा कि जब कुसुम ठीक हो गई है, तो **मंगु भी अवश्य ही ठीक हो जाएगी**। लोगों के बहुत कहने-सुनने के बाद ही माँ मंगु को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए तैयार हुई।

5. मंगु के प्रति माँ और परिवार के अन्य सदस्यों के व्यवहार में जो फर्क है उसे अपने शब्दों में लिखें। [2014AII, 2024AII]

उत्तर: मंगु जन्म से **पागल और गूँगी** लड़की थी।

- **माँ का व्यवहार :** माँ के लिए कोई कैसी भी संतान हो उसकी **वात्सल्यता फूट ही पड़ती है**। ममता की प्रतिमूर्ति माँ स्वयं अपने सुख को भूलकर पुत्री के लिए **समर्पित हो जाती है**. उसकी नींद उड़ गई है, और वह रात-दिन अपनी असहाय बच्ची के लिए सोचती रहती है। माँ **अस्पताल को गोशाला समझती थीं** और बराबर मंगु को पागलखाना में भर्ती कराने का **विरोध करती रहती थीं**।
- **परिवार के अन्य सदस्यों का व्यवहार :** मंगु के अलावा माँ के लिए **तीन संतानें** थीं। माँ का समग्र मातृत्व मंगु पर निछावर हो गया है, जिससे अन्य संतानें (बेटे, बहुएँ और पुत्री) माँ के व्यवहार से **अनमने-सा दुखी रहते हैं**। परिवार के अन्य सदस्य मंगु को **पागलखाना में भर्ती कराकर निश्चित हो जाना चाहते हैं**।

6. 'माँ' शीर्षक कहानी के मुख्य पात्रों के नाम लिखें। [2024AII]

उत्तर: 'माँ' शीर्षक कहानी के मुख्य पात्रों के नाम हैं:

1. **माँ**
2. **मंगु**
3. **कुसुम**